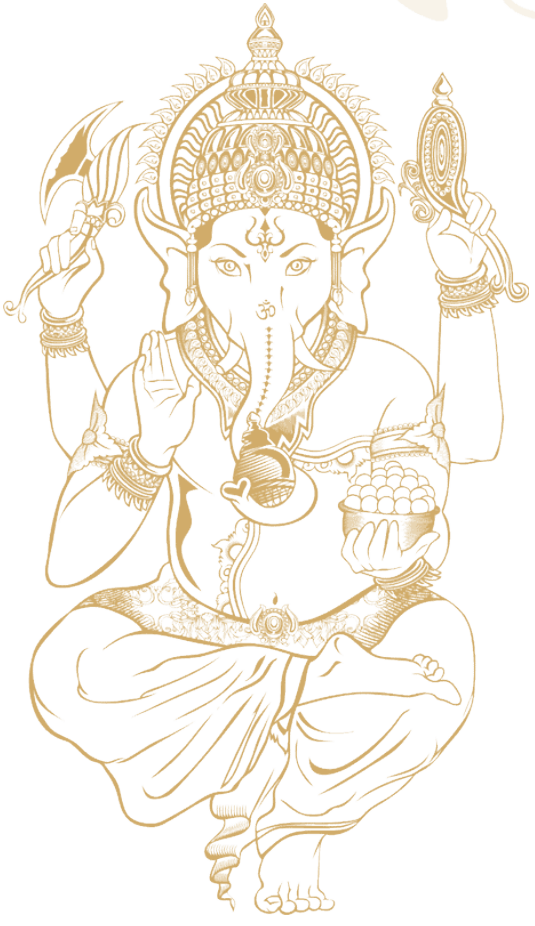

Yashkumar Jaiswal

Payal Jaiswal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119210202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/06/1993	जन्म तिथि	05/08/2000
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:48:06	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 23:06:25	जन्म समय(घटी)	05:23:18 घटी
India	देश	India
Hinghanghat	स्थान	Akola
20:32:00 उत्तर	अक्षांश	20:40:00 उत्तर
78:52:00 पूर्व	रेखांश	77:05:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:32	सूर्योदय	05:57:37
18:52:36	सूर्यास्त	18:57:13
23:46:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:40

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 1मा 14दि		26:57:50	कन्या	लग्न	सिंह	16:06:42	मंगल 5वर्ष 7मा 9दि	
चन्द्र		20:57:11	वृष	सूर्य	कर्क	19:07:15	गुरु	
21/07/2025		01:40:05	धनु	चंद्र	कन्या	25:59:03	15/03/2024	
21/07/2035		26:06:40	कर्क	मंगल	कर्क	08:45:27	15/03/2040	
चन्द्र	21/05/2026	11:35:49	मिथु	बुध	कर्क	02:28:48	गुरु	03/05/2026
मंगल	20/12/2026	11:00:58	कन्या	गुरु	वृष	12:43:56	शनि	13/11/2028
राहु	20/06/2028	05:16:45	मेष	शुक्र	सिंह	04:08:18	बुध	19/02/2031
गुरु	20/10/2029	06:32:20	कुंभ	शनि	वृष	05:50:06	केतु	26/01/2032
शनि	21/05/2031	18:24:45	वृश्चि व	राहु व	कर्क	00:37:49	शुक्र	26/09/2034
बुध	20/10/2032	18:24:45	वृष व	केतु व	मक	00:37:49	सूर्य	15/07/2035
केतु	21/05/2033	27:47:52	धनु व	हर्ष व	मक	25:13:43	चन्द्र	13/11/2036
शुक्र	19/01/2035	26:54:26	धनु व	नेप व	मक	11:05:48	मंगल	20/10/2037
सूर्य	21/07/2035	29:47:29	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	16:21:28	राहु	15/03/2040

लग्न-चलित

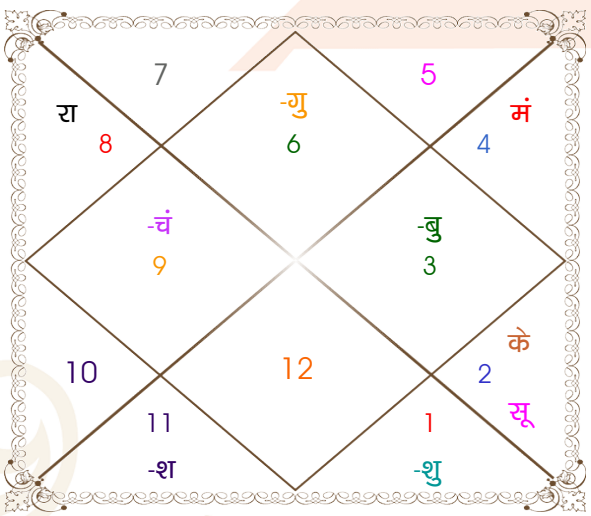

लग्न-चलित

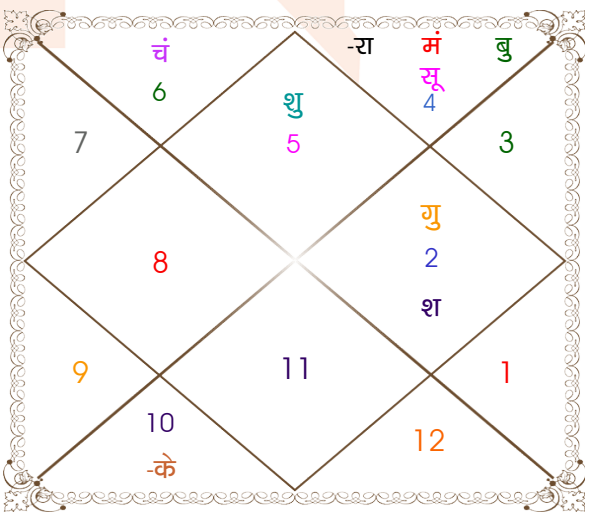

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

लैानउंत श्रंपूंस का वर्ग मृग है तथा च्लंस श्रंपूंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैानउंत श्रंपूंस और च्लंस श्रंपूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लैानउंत श्रंपूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

च्लंस श्रंपूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्लंस श्रंपूंस कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्लंस श्रंपूंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु च्लंस श्रंपूंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु लैानउंत श्रंपूंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

लैानउंत श्रंपूंस तथा च्लंस श्रंपूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।